

[illegible]

[illegible]

यस्याह॥ॐ उ श्वविद्धि यस्याह॥ॐ विद्धि पुत्राय स्याह॥ॐ सुखस्य यस्याह॥
 ॐ धनजनसंगानविद्धि यस्याह॥ ॥ॐ श्रीमन् श्रीरयश्च मां माला रक्ता
 सकस्य याया वमनाद्यं युक्ति कृत्वाह॥ ॥ॐ नन्दाय स्याह॥ॐ रुद्राय स्या
 ह॥ॐ उज्याय स्याह॥ॐ सामाय स्याह॥ॐ कायिनाय स्याह॥ ॥ॐ श्रीमन्
 श्रीरवसवर्क रक्ता सकस्य याया वमनाद्यं युक्ति कृत्वाह॥ ॥ॐ वे
 सवनाय स्याह॥ॐ मानिरुद्राय स्याह॥ॐ यूष्करुद्राय स्याह॥ॐ ध
 नदियाय स्याह॥ॐ वज्रदियाय स्याह॥ ॥ पूजाः नास्याः चण्डः ॥

[illegible]

लोचरु कोच । मस्य गहो नृनरु यद् ॥ धन ॥ ॐ स्वस्ति वसुधा ॥ ॐ
 ज्ञा ॥ श्रीवासुनीदेवीरुहो नरु यद् ॥ ॐ स्वस्ति वसुधा ॥ ॐ
 वीजमृगको साहा ॥ ॐ श्रीरुहो नरु यद् ॥ ॐ जालो धनयो धायसाहा
 ॐ उदियानयो धायसाहा ॥ ॐ युजिलियो धायसाहा ॥ ॐ धमो वक्रायसा
 हा ॥ ॐ रंशमवक्रायसाहा ॥ ॐ निर्मो वक्रायसाहा ॥ ॐ मरु रुरवक्रायसा
 हा ॥ ॐ रंशमवक्रायसाहा ॥ ॐ निर्मो वक्रायसाहा ॥ ॐ मरु रुरवक्रायसाहा ॥ ॐ
 हा ॥ ॐ रंशमवक्रायसाहा ॥ ॐ निर्मो वक्रायसाहा ॥ ॐ मरु रुरवक्रायसाहा ॥ ॐ

संगसंगिनी॥रक्तुहंखामरानकः॥कृयारुवमामकी॥समयमकअयगं॥
००निकरनागंयुजाविद्धि॥०॥धयानिदनववपुत्रन्यास॥जाय॥
धूयनिजाउनसुखवभुद्या॥नकुवनुनन॥उंआहूं॥हूं॥आ॥हूं॥सक
कोनीकासयन्॥उंआहूं॥हूं॥॥उंवरकलाठकय॥याईयमि॥कसादा
उंवरकलाठकयसादा॥हंसमयकलाठकायसादा॥उंविसमयकलाठ
कायसादा॥हंसयविसमयकलाठकायसादा॥यंवायदानयुजा॥नासा

बुद्धि॥ शुभ्रगणक लूनात्मानं नेधायुर्कं नमस्कृत्य (कालकृत्याग्निवद्बुद्धिः) नमः
 सुवज्रजाग्निनी॥ समयः सतः गायतृककर्मगलगाथा॥ ५॥ ॐ ॥
 प्रातः सूर्यास्तयुजाविद्धि॥ ० ॥ आयसलूयनश्च देयजायाय॥ जाय धूय
 मिनीजनयाया साकलनः शुभ्रवद्बुद्धिः॥ याद्यादिः द्यंतावमनीयमि
 क साह॥ स्वानवाय॥ यथायदात्रयुजा॥ नास्मा द्यंथ बुद्धिः समयः सतः
 न धूय॥ यथायदात्रयुजायाय॥ ० ॥ ॐ ॥ किंसाविद्धि॥ ० ॥ ॥

एतजंगमावा नृथेवस्मावना ॥ सुसर्वसन्नासुखिना एव नु ॥ ॥ सुनमः
र्त्तननदवयूकं ॥ वृद्धेनमस्या इह ॥ हानुसुखि ॥ ० ॥ ॥ सुसुखि श्रीम
शमलुलः ॥ नवकावृत्तसामसधः ॥ संस्यस्यवृत्तनाजस्यः ॥ दक्षिनायंथः
॥ रुजाश्वीदीयः ॥ सहनामजाकधागोः ॥ रुदकत्य वेदसर्वमन्त्रनयः
कलिशलाः ॥ युधमचननः ॥ रुमानयविन्दुयवेगः ॥ यामो ॥ ॥ आर्योवरुः
यूथरुमो ॥ श्रीवासुकि कृतः ॥ स्वयंरवेयसुनः ॥ यशुयगिसनि धनः

आर्योवरुथानः ॥ सुकनशायां ॥ ॥ रुदकत्य वेदसर्वमन्त्रनयः
यश्चनशायां ॥ पूर्वकृतः ॥ वागमशायां ॥ दक्षिणकृतः ॥ विक्कमसुमनीक
नालवासिमसधः ॥ नलिगयदुनः ॥ ॥ रुदकत्य वेदसर्वमन्त्रनयः ॥ सहदानवाकमिनि
गुर ॥ ० ॥ ॥ रुदकत्य वेदसर्वमन्त्रनयः ॥ सहदानवाकमिनि ॥ ० ॥

२६२

२दानयमिउउमानस्यः जवनकुशावनः रुकासकस्यः यूरेः यूतिः नामकल
नः युगयासनकासनः निमिलिथः ॥ १ ॥ युगयासनकासनः ॥ १ ॥

मिहययागकासनः ॥ १ ॥ २दानयमिउउमानस्यः यूरेः यूतिः सयमासः
यलमासः दसयासनः जवनयासनकासनार्थः ॥ २ ॥ जवनकासनकासनः ॥

२दानयमिउउमानस्यः यूरेः वीताकसनः कसकदनकासनार्थः ॥ ३ ॥
सयाययागः ॥ ३ ॥ २दानयमिउउमानस्यः यूरेः सखनावधनः दधनः
कनः पुवसकासनार्थः ॥ ४ ॥ २दानयमिउउमानस्यः

२दानयमिउउमानस्यः यूरेः सखनावधनः दधनः कनः पुवसकासनार्थः ॥ ४ ॥

यूतिः विवहाकर्मः सिधुनावादनः कामनार्थः ॥ ५ ॥ सयविधयागः ॥ ५ ॥

२दानयमिउउमानस्यः यूग्यावमिः गस्यामावनः सिधुनकासनार्थः ॥ ६ ॥

गस्यावमिः ॥ ६ ॥ २दानयमिउउमानस्यः दधुः कसवधनः ॥

कामनार्थः ॥ सयावकयागः ॥ ७ ॥

[illegible][illegible]

ASHA ARCHIVES

ಶ್ರೀ ೨೫ ನೇ ಹಂತದ
ಕುಳಿಗಿಳಿ

3521.

[illegible]

ॐ नमः श्री वक्रसंभवाय ॥ समन्तादनुभुमां वद्धा ॥ जस्य पादिसंस्मृतिगा ॥ ३ ॥
नमः श्री वक्रसंभवाय ॥ थागममृते कलसेयानि ॥ विष्णुद्वयिके ॥ यिथादिद
सममन ॥ विष्णुद्वयदं ॥ श्रीयि० मध्याव लममृल ॥ वक्रनार्थ ॥ यं च सदागु
कवल ॥ जितसामनन ॥ जयथादिमार्गवाक ॥ यस्यानकसमाधिक ॥ वधं
गा ॥ वक्रवावादि ॥ अक्रसंभवननायका ॥ वदद्या बलितुयि कदं वला ॥ विन
सदावाजिगसर्वे मगा ॥ वक्रसनाथा सरुजामला ॥ वधसदासंभवनका ॥

मसाला ॥ वक्रवाकृति ॥ सवशुकनिलय ॥ यमस्यगद्वन ॥ मलध ॥ वल
दं सकलुधवर्न ॥ आत्यलसर्वोत्तमक ॥ सर्वेह सुविसुध ॥ निलय ॥ दद्यानय ॥ शु
चर्न ॥ वधसकजा ॥ मलवर्न ॥ वरिष्ठ ॥ श्री सरुथोदथोनायकः ॥ ० ॥ मेति
कनला ॥ मदिगाथका ॥ हं सलवसुद्धा ॥ सर्वधर्मो ॥ सलवसुद्धा ॥ हं ॥ सनम
हानवद ॥ सलवसुद्धा ॥ हं ॥ यथमनुर्न ॥ समस्तान् ॥ यवेगादी ॥ उवस्तान्
थायविषमककजि ॥ दकि लारिसुखाथागीय ॥ मृक ॥ वदिका मुखयुवि

क॥ श्री हनुक॥ स्यात्तु न च तु स्याथमा ३ मुखयनः ॥ श्री कावम द्वयग्यान॥
हनुमि हनुमुन्या॥ ननुमि अयगन केरु॥ कनुमि ननुमि सिमि॥ शुन्य
लावयन्॥ ननुः यक्षस्य धाद्रं कावं॥ मृत्यायन्॥ नयस्य धा॥ वे आवन॥ वेदना
सुखिवजसूर्य॥ सहास्य धा॥ यमन॥ न सवन॥ सस्कावस्य धा॥ वजनाज॥ विदुः
नस्य धा॥ वजसत्त॥ सर्वेन धागनया॥ श्री हनुक वज॥ चक्रुधा॥ माहवज॥ शु
नया॥ धाखवजः॥ युनथा॥ विदुः विजः॥ न के लागवजः॥ सयुसमास्य वेवजः॥

सर्वेन नो धायेवज॥ युथिविधा तुयाननि॥ ज्ञायधामुमालनि॥ न आधामुना कुर्वनी॥
दायधामु॥ यमन ननुमि॥ आकासधामु॥ यम जालनी॥ ननुमि धाखा॥ यनय॥ द
वगविशुधिम॥ ननु उयायकी ननु॥ विदुः दलकमल॥ गस्यायेनि॥ चक्रुसूर्यमनु॥
न॥ गस्यायलिद्रं काव तालिनामन॥ दिनुजसम्यन॥ मात्मानमवयव॥ ननुमि ननु॥
कृदुवन्तु॥ ननुमि सूर्य॥ ननुमि॥ मालीटासनसमिर्न॥ मदासेनव॥ कोविनाया॥ का
कमानं॥ वजवा नाद्रुलिर्गिनी॥ नुजद्वयन॥ वजवजय ननु॥ ननुमि॥ ननुमि॥ ननुमि॥

भुक्त। कपालमानसं कुरु। सयव। अर्द्धचन्द्रासि। (विश्ववडा कान मोलिन
 विष्णुगान न न दष्टा दुह रिषन। ४७ ग। नादिन साचिठ। वायव्यम
 निवसम। साद्या नल सित्रा मा ला मगा दध धालि धा क धि का कू
 कुरु कुल भय ला शि नाम धि विरु विरु। यत्न यवी न रु स्मा गि
 वत्सदाय कि कि गो। वरि मुद्रा रि सु दिग। वृद्धाल मिमा विष्णु दि
 दिग। कस्या यगा रु ग व गी न क वे धी। मे क मूखा धं द रु डा रि न
 वैजवा न ही

ग। मुक्त कसा। न न श्व सु म धि ग भय वला। वाम रु डा लि गी ग। क
 याल इष्ट मा ना। य मुक्त य ना। उष्टी रु क का। द्वा। द कि न रु क री नि।
 दिष्टी म वा इष्ट रु क नि। व धि का। कल्या नि व न म रु क डा। ध व नि क
 धि व मूखा। ई चा द य न समा व य नाय क। म रु मूख रु क रु धा लि क।
 उष्टी रु क का। द्वा। अ काल न व द म धु ल। आ का व न मूर्य व धु ल रु वः
 रु य म रु क का। द्वा॥ ॥ वाम रु दि न क ल सा ध न ॥ ॥ उष्टी न म दि स

[illegible]